

## ॥ श्रीमदच्युताष्टकम् ॥

अच्युताच्युतहरे परमात्मन्  
राम कृष्ण पुरुषोत्तम विष्णो ।  
वासुदेव भगवन्निरुद्ध  
श्रीपते शमय दुःखमशेषम् ॥ १ ॥

विश्वमङ्गलविभो जगदीश  
नन्दनन्दन नृसिंह नरेन्द्र ।  
मुक्तिदायक मुकुन्द मुरारे  
श्रीपते शमय दुःखमशेषम् ॥ २ ॥

रामचन्द्र रघुनायक देव  
दीननाथ दुरितक्षयकारिन् ।  
यादवेन्द्र यदुभूषण यज्ञ  
श्रीपते शमय दुःखमशेषम् ॥ ३ ॥

देवकीतनय दुःखदवाग्ने  
राधिकारमण रम्यसुमूर्ते ।  
दुःखमोचन दयार्णव नाथ

श्रीपते शमय दुःखमशेषम् ॥ ४ ॥

गोपिकावदनचन्द्रचकोर  
नित्य निर्गुण निरञ्जन जिष्णो ।  
पूर्णरूप जय शङ्कर शर्व  
श्रीपते शमय दुःखमशेषम् ॥ ५ ॥

गोकुलेश गिरिधा रणधीर  
यामुनाच्छतटखेलन वीर ।  
नारदादिमुनिवन्दितपाद  
श्रीपते शमय दुःखमशेषम् ॥ ६ ॥

द्वारकाधिप दुरन्तगुणाब्धे  
प्राणनाथ परिपूर्ण भवारे ।  
ज्ञानगम्य गुणसागर ब्रह्मन्  
श्रीपते शमय दुःखमशेषम् ॥ ७ ॥

दुष्टनिर्दलन देव दयाळो  
पद्मनाभ धरणीधर शौरे ।  
रावणान्तक रमेश मुरारे

श्रीपते शमय दुःखमशेषम् ॥ ८ ॥

अच्युताष्टकमिदं रमणीयम्

निर्मितं भवभयं विनिहन्तुम् ।

यः पठेद्विषयवृत्तिनिवृत्तिम्

जन्मदुःखमखिलं स जहाति ॥ ९ ॥

॥ इति श्रीमच्छङ्कराचार्यविरचितमच्युताष्टकम् ॥

Sri Kamakoti Mandali [[srigurupaduka@yahoo.com](mailto:srigurupaduka@yahoo.com)]